



Mr.



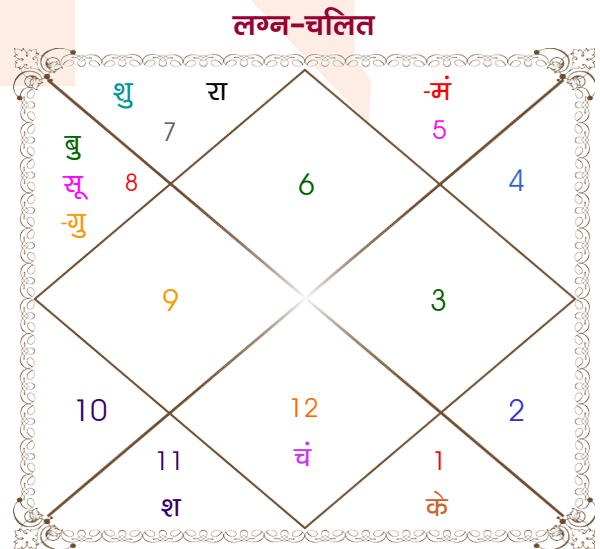
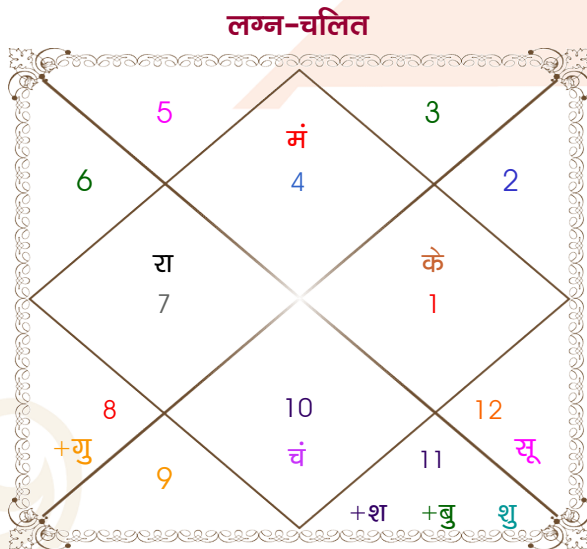
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121699909

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 26/03/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 11-12/12/1994
 रविवार : _____ दिन _____ : रवि-सोमवार
 घंटे 13:50:00 : _____ जन्म समय _____ : 02:40:00 घंटे
 घटी 18:32:14 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 48:56:28 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jaipur : _____ स्थान _____ : Jaipur
 26:53:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:53:00 उत्तर
 75:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:25:06 : _____ सूर्योदय _____ : 07:05:24
 18:39:54 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:34:14
 23:47:36 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:47:22

विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 2मा 12दि राहु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 14वर्ष 8मा 28दि शुक्र
07/06/2009	08:30:47	कर्क	लग्न	कन्या	27:17:36	09/09/2016
07/06/2027	11:25:05	मीन	सूर्य	वृश्चि	25:48:58	09/09/2036
राहु	13:43:59	मक	चंद्र	मीन	18:26:05	शुक्र
18/02/2012	19:23:16	कर्क	मंगल	सिंह	06:04:08	10/01/2020
गुरु	23:58:30	कुंभ	बुध	वृश्चि	24:33:49	सूर्य
13/07/2014	21:31:50	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	06:44:09	09/01/2021
शनि	03:58:20	कुंभ	शुक्र	तुला	14:32:27	चन्द्र
19/05/2017	23:41:02	कुंभ	शनि	कुंभ	12:48:07	10/09/2022
बुध	12:11:45	तुला व	राहु	तुला	20:34:41	मंगल
07/12/2019	12:11:45	मेष व	केतु	मेष	20:34:41	राहु
केतु	06:01:20	मक	हर्ष	मक	00:35:00	गुरु
24/12/2020	01:27:59	मक	नेप	धनु	28:03:51	11/07/2029
शुक्र	06:40:20	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	05:01:13	शनि
25/12/2023						बुध
सूर्य						11/07/2035
18/11/2024						केतु
चन्द्र						09/09/2036
20/05/2026						
मंगल						
07/06/2027						



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रेवती है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

